University in News on 03 May 2025

NBT PAGE 4

पुलिसकर्मियों में तनाव के कारण तलाशेगा एलयू

- सायकॉलजी विभाग करवाएगा शोध
- पुलिसकर्मियों की होगी काउंसिलिंग

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

पुलिसकर्मियों में तनाव के बढ़ते मामलों को देखते हुए एलयू कारणों की तलाश करेगा। इसके लिए एलयू के सायकॉलजी विभाग में पुलिसकर्मियों की न सिर्फ काउंसलिंग की जाएगी वल्कि तनाव दूर करने के लिए उन्हें अलग-अलग थेरेपी भी दी जाएगी। इसके अलावा पुलिस के तनाव के प्रमुख कारण क्या हैं, इस पर एक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी ताकि सरकार उन पर काम कर तनाव को दूर कर सके।

सायकॉलजी विभाग की को-ऑर्डिनेटर प्रो. डॉ. मानिनी श्रीवास्तव इस पर शोध करेंगी। प्रो. मानिनी ने वताया कि सवसे पहले पुलिस कर्मियों के लिए विभाग में सेशन आयोजित किए जाएंगे। इसमें पहले उनकी दिनचर्या और स्वास्थ्य, काम में क्या परेशानी होती है इन सव पर आधारित एक प्रश्नावली भरवाएंगे। इसके माध्यम से तनाव के कारणों के वारे में पता करेंगे। इसके वाद तनाव के स्तर के हिसाव से उन्हें थेरेपी भी दी जाएगी। इसमें म्यूजिक थेरेपी भी शामिल है। इसमें वायोफीडवैक मशीन के माध्यम से भी उनकी जांच की जाएगी। हमारा फोकस है कि पुलिस की मेंटल हेल्थ के साथ होलिस्टिक हेल्थ पर काम किया जाए। इससे उनके जीवन स्तर को वेहतर किया जा सकेगा। साथ ही पुलिस का मानसिक तनाव कम होगा तो वह और वेहतर काम कर सकेंगे।

मेंटल हेल्थ से अनजान रहते हैं ज्यादातर लोग

डॉ. मानिनी ने बताया इस शोध में हम ऐसे पुलिस कर्मियों को चिन्हित भी कर सकेंगे जिनकी मेंटल हेल्थ प्रभावित है। ऐसे पुलिस कर्मियों की हम अलग से काउंसिलिंग भी करेंगे। काउंसिलिंग के माध्यम से उनकी मेंटल हेल्थ को बेहतर किया जा सकेगा। इसके अलावा जिनमें मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत होगी उसके लिए भी उन्हें सुझाव दिया जाएगा। ऐसे मरीज हैं जिन्हें पता ही नहीं है कि उनकी मेंटल हेल्थ प्रभावित है। इसकी मदद से काफी हद तक पुलिस कर्मियों को चिन्हित किया जा सकेगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

कैंपस प्लेसमेंट करेंगी एचसीएल और टीसीएस

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। कैंपस प्लेसमेंट में नौकरी देने के लिए एचसीएल टेक और टीसीएस जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां लखनऊ विश्वविद्यालय आएंगी। इनमें हिस्सा लेने के लिए लविवि और संबद्ध कॉलेजों के छात्र-छात्राओं से आवेदन मांगे गए हैं। कंपनियां ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर इनका चयन करेंगी।

प्लेसमेंट सेल के अपर निदेशक डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि एचसीएल टेक में ग्रेजुएट ट्रेनी पद के लिए बीए, बीएससी, बीबीए, बीसीए व बीकॉम के विद्यार्थी चार मई तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए दोनों लिंक https://freshers.hcltech.com/?utm_source=oncampus&utm_medium=MaduraiGT&utm_campaign=Massmail और https://forms.gle/bc71YZX2vKrUE9DcA पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। कंपनी 2.4 लाख रुपये सालाना पैकेज का भुगतान करेगी।

उधर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टी सी ए स बी ए स सी इन्साइट और स्मार्ट हायरिंग कार्यक्रम के तहत ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर भर्तियां करेंगी। बीसीए, बीएससी (कंप्यूटर साइंस, गणित, सांख्यिकी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, बायोकेमिस्ट्री) और बीवोक (सीएस/आईटी) जैसे पाठ्यक्रमों के 2024, 2025 बैच के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। चयनितों को अधिकतम 2.82 लाख का सालाना पैकेज मिलेगा।

आवेदक का न्यूनतम 50% अंकों (या समकक्ष सीजीपीए) के साथ 10वीं, 12वीं, डिप्लोमा (यदि लागू हो) और स्नातक होना जरूरी है। 11 मई तक https://www.tcs.com/careers/india/tcs-bsc-ignite-smart-hiring-2024-2025 लिंक से पंजीकरण कर सकते हैं।

ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर भर्ती के लिए लविवि व संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों से मांगे गए आवेदन

एचसीएल 2.4 लाख रुपये सालाना और टीसीएस 2.82 लाख रुपये वार्षिक पैकेज देगी

काम की खबर- 1

लविवि की छात्रा ने खोजी मकड़ी की नई प्रजाति

संवाद न्यूज एजेंसी

महाराष्ट्र के सुंदर हिल स्टेशन चिखलदरा में हैब्रोसेस्टम वंश की उछलने वाली मकड़ी को खोजा

प्रो. अमिता कन्नौजिया और डॉ. अतुल बोडखे के मार्गदर्शन में कार्य कर रही हैं कविता राव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि शास्त्र विभाग की शोधार्थी छात्रा कविता राव ने भारतीय मकड़ी विज्ञान (अरैक्नोलॉजी) के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

कविता राव। स्रोत: स्वयं

छात्रा ने महाराष्ट्र के सुंदर हिल स्टेशन चिखलदरा में हैब्रोसेस्टम वंश की जंपिंग स्पाइडर यानी उछलने वाली मकड़ी की खोज की है।

इस प्रजाति को हैब्रोसेस्टम चिखलेदरानेसिस नाम दिया गया है। कविता ने विवि की प्रोफेसर डॉ. अमिता कन्नौजिया और महाराष्ट्र के अमरावती जिले के जेडी पाटिल सांगलुडकर महाविद्यालय के डॉ. अतुल बोडखे के मार्गदर्शन में खोज पूरी की है।

डॉ. अमिता ने वताया कि यह मकड़ी पहली बार चिखलदरा में ईंटों की दीवारों पर पाई गई, जहां से इसकी मादा को डॉ. अतुल बोडखे ने संग्रह किया। इस प्रजाति की पहचान और विवरण डॉ. बोडखे की स्पाइडर रिसर्च लैव में हुई।

यह प्रजाति निकटवर्ती प्रजातियों से आकार के हिसाव से अलग है और चिखलदरा के पथरीले सुराखों और जमीन के पास के इलाकों में मिलती है। इस खोज के जरिये वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई है कि भारत में अरैक्निड्स (मकड़ियों व निकटवर्ती प्रजातियों) पर और अध्ययन होंगे। साथ ही इनके संरक्षण की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

■ **महाराष्ट्र से पहली प्रजाति दर्ज की गई :** जंपिंग स्पाइडर्स तेज दृष्टि और फुर्तीले आंदोलनों के लिए जानी जाती हैं। भारत में अब तक हैब्रोसेस्टम वंश की 10 प्रजातियां थीं, जिनमें यह महाराष्ट्र से दर्ज की गई पहली प्रजाति है। शोधकर्ताओं ने इसे उसकी विशिष्ट रंगत और मादा जननांगों की संरचना के आधार पर पहचाना।

सम सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से

लखनऊ। लविवि में शनिवार से सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा अवधि में परिसर में बाहरी शख्स व वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध होगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहली पाली में परीक्षा सुबह 7:30 बजे से शुरू होगी। सात बजे के बाद परीक्षा केंद्र पर किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अन्य दोनों पालियों में भी परीक्षा से आधे घंटे पहले रिपोर्टिंग होगी। वहीं, देर शाम एमए आचार्य, एमए शास्त्री एवं एमकॉम के परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिए गए।

■ **बीपीएड, बीएससी के लिए परीक्षा केंद्र तय :** परीक्षा विभाग ने बीपीएड, बीएससी एवं एमएससी कृषि, बीलिव, बीवीए व बीएफए परीक्षाओं के केंद्र तय कर दिए हैं। सभी संबद्ध जिलों में महाविद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

उपलब्धि | लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग की शोधार्थी ने तलाशी नई प्रजाति, आकार समेत कई विशेषताएं

एलयू शोधार्थी ने उछलने वाली मकड़ी की खोज की

- प्रोफेसर अमिता और डॉ. अतुल बोडखे का मार्गदर्शन
- स्पाइडर रिसर्च लैब में की गई नई प्रजाति की खोज

कविता राव, छात्रा

यह मकड़ी पहली बार चिखलदरा के ईंटों की दीवारों पर मिली

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग की शोधार्थी को भारतीय मकड़ी विज्ञान (अरैक्नोलॉजी) के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। महाराष्ट्र के सुंदर हिल स्टेशन चिखलदरा में हैब्रोसेस्टम वंश की एक नई जम्पिंग स्पाइडर यानी उछलने वाली मकड़ी की खोज हुई है।

इस नई प्रजाति को हैब्रोसेस्टम चिखलेदरानेसिस नाम दिया गया है। जिसे शोध छात्रा कविता राव ने एलयू की प्रोफेसर डॉ. अमिता कन्नौजिया और महाराष्ट्र अमरावती जिले के जेडी पाटिल सांगलुडकर महाविद्यालय के डॉ. अतुल बोडखे मार्गदर्शन में पूरा किया है।

प्रोफेसर अमिता कन्नौजिया का कहना है कि यह मकड़ी पहली बार चिखलदरा के ईंटों की दीवारों पर पाई गई जहां से इसकी मादा को डॉ. अतुल बोडखे ने संग्रह किया। यह खोज सर्केट: द अरैक्नोलॉजिकल बुलेटिन ऑफ द मिडिल ईस्ट एंड नॉर्थ अफ्रीका के खंड 20, अंक चार में प्रकाशित हुई है। इस प्रजाति की पहचान और विवरण डॉ. बोडखे की स्पाइडर रिसर्च लैब में हुई।

शोध के अनुसार, यह नई प्रजाति अपने निकटवर्ती प्रजातियों से आकारिक रूप से अलग है और चिखलदरा के पथरीले सुराखों और जमीन के पास के इलाकों में निवास करती है।

संरक्षण को उठाएंगे कदम: इस खोज के जरिए वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई है कि भारत में अरैक्निड्स (मकड़ियों व निकटवर्ती प्रजातियों) पर और अधिक अध्ययन होंगे। जानकारी के अनुसार बता दें कि अब इनके संरक्षण की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

मकड़ी की सुरक्षा से संभव पर्यावरण का संरक्षण

मकड़ी संरक्षण का मतलब पर्यावरण का संरक्षण होता है। मकड़ियां पारिस्थितिक तंत्र की सेहत की अहम सूचक होती हैं और कीट नियंत्रण में स्वाभाविक भूमिका निभाती हैं। मगर, वह अक्सर डर, अंधविश्वास, कीटनाशकों और आवास नष्ट होने का शिकार होती हैं। उनको संरक्षित करना आवश्यक है।

महाराष्ट्र से पहली प्रजाति दर्ज की गई

जम्पिंग स्पाइडर्स अपनी तेज दृष्टि और फुर्तीले आंदोलनों के लिए जानी जाती हैं। भारत में हैब्रोसेस्टम वंश की 10 प्रजातियां थीं, जिनमें एच. चिखलेदरानेसिस महाराष्ट्र में दर्ज पहली प्रजाति है। शोधकर्ताओं ने इस प्रजाति को उसकी विशिष्ट रंगत और जननांगों की संरचना के आधार पर पहचाना है।

एलयू में 29 को योग उत्सव का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के योग विभाग को आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय संस्थान ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर 29 मई को योग उत्सव कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अधिकृत किया है। समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के क्रीड़ा स्थल पर होगा। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान राज्य के योग विशेषज्ञ योग एवं स्वास्थ्य, योग एवं विश्व शांति, योग एवं चरित्र निर्माण इत्यादि विषयों पर व्याख्यान देंगे।

एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा आज से, वाहनों पर लगी रोक

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 सम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरूआत शनिवार से हो रही है। इसके लिए मुख्य कुलानुशासक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि तीन पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को द्वार संख्या एक, तीन और सात से परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा अवधि में परिसर के भीतर किसी बाहरी शख्स व वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध होगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहली पाली में परीक्षा की शुरूआत सुबह 7:30 बजे होगी।

तीन कोर्स के परीक्षा कार्यक्रम जारी

एलयू परीक्षा विभाग की ओर से देर शाम तीन विषयों के परीक्षा कार्यक्रम जारी किए गए। इसमें एमए आचार्य, एमए शास्त्री और एमकॉम पाठ्यक्रम शामिल है। जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

बीएससी, एमएससी कृषि, बीपीएड परीक्षा केंद्रों की सूची जारी

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को विभिन्न पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से अपना परीक्षा केंद्र देख सकते हैं। बी.एससी व एमएससी कृषि सम सेमेस्टर परीक्षाएं हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, सीतापुर व लखनऊ जिले को मिलाकर 19 केंद्रों पर होंगी। इसके अलावा बीपीएड सम सेमेस्टर परीक्षा के लिए सात केंद्र, बीलिवएससी परीक्षाओं के लिए छह केंद्र, बीवीए और बीएफए परीक्षाओं के लिए पांच केंद्र और बीएजेएमसी परीक्षाओं के लिए आठ केंद्र बनाए गए हैं। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के कई विषयों का परीक्षा कार्यक्रम भी जारी किया है। एमए आचार्य दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 14 से 26 मई, चौथे सेमेस्टर की 15 से 23 मई तक होंगी। शास्त्री दूसरे सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 14 से 28 मई, चौथे सेमेस्टर की 15 से 31 मई और छठे सेमेस्टर की 14 से 23 मई तक होंगी। एम.काम दूसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 20 से 30 मई, इसके ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 20 से 30, चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 23 से 31 मई और चौथे सेमेस्टर के ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं भी 23 से 31 मई तक आयोजित की जाएंगी।

LU में टीचरों को पढ़ाया सांस्कृतिक विरासत का पाठ

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः विश्वविद्यालय व कॉलेजों के शिक्षकों को भारतीय संस्कृति से रूवरू कराने और सांस्कृतिक विविधताओं को शिक्षा में समावेशित करने के लिए अव एलयू में ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया गया है। यूजीसी की ओर से एलयू के एचआरडीसी केंद्र में शुक्रवार से ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत की गई। इसमें एक सप्ताह तक पूरे प्रदेश से आए शिक्षकों को अलग-अलग विशेषज्ञों की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एचआरडीसी केंद्र के को-ऑर्डिनेटर प्रो. कमल कुमार ने वताया कि नई शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति को प्रमुखता से शामिल किया गया है। भारतीय सामाजिक प्रणाली और विविधताओं के वारे में प्रशिक्षित करने के लिए यह ट्रेनिंग प्रोग्राम यूजीसी की ओर से कराया जा रहा है। इसमें पहले दिन प्रो. वद्री नारायण ने समाज और संस्कृति की विविधताओं पर व्याख्यान दिया। वहीं प्रो. सतीश देशपांडे ने नई शिक्षा नीति के तहत सामाजिक संदर्भों और इसके प्रभावों पर चर्चा की। कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें शिक्षाविद्, शोधकर्ता और उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्य शामिल थे।

i-NEXT PAGE 4

एलयू स्टूडेंट्स के लिए प्लेसमेंट का मौका

LUCKNOW: एलयू के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा विश्वविद्यालय एवं एसोसिएटेड कॉलेजस के ग्रेजुएशन के स्टूडेंट्स के लिए आईटी कंपनी एचसीएल टेक तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में ग्रेजुएट ट्रेनी की जॉब के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि एचसीएल टेक में बीए, बीएससी, बीबीए, बीसीए तथा बीकॉम पाठ्यक्रमों के छात्र ग्रेजुएट ट्रेनी पद हेतु 2.4 लाख वार्षिक पैकेज पर आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए छात्र 4 मई 2025 तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं.

11 मई तक करें रजिस्ट्रेशन

वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा बीसीए, बीएससी (कंप्यूटर साइंस, गणित, सांख्यिकी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, बायोकेमिस्ट्री) और बीवोक (सीएस/आईटी) जैसे कोर्सेज से 2024 एवं 2025 बैच के स्टूडेंट्स के लिए टीसीएस बीएससी इग्नाइट और स्मार्ट हायरिंग कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रेजुएट ट्रेनी पद हेतु अधिकतम 2.82 लाख वार्षिक तक के पैकेज पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इस अवसर के लिए पात्र छात्रों को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों (या समकक्ष सीजीपीए) के साथ 10वीं, 12वीं, डिप्लोमा (यदि लागू हो) और स्नातक होना आवश्यक है. इच्छुक अभ्यर्थी 11 मई 2025 तक पंजीकरण कर सकते हैं.

प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग ने प्रयोगात्मक परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की है। बी.ए और बी.एससी सांख्यिकी चौथे सेमेस्टर (बैच-1, दो) की प्रयोगात्मक परीक्षा 16 मई को सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक होंगी। एम.ए एम.एससी चौथे सेमेस्टर मास्टर थिसिस (सांख्यिकी) की मूल्यांकन परीक्षा 15 मई को विभाग में सुबह 10 बजे से होगी। वहीं, एम.ए. एम.एससी दूसरे सेमेस्टर बायो सांख्यिकी की प्रयोगात्मक परीक्षा 19 मई को सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक होगी। इसके अलावा बी.ए. बी.एससी छठे सेमेस्टर के मेजर प्रोजेक्ट मौखिक परीक्षा साख्यिकी विभाग में 31 मई को सुबह 11 बजे से शुरू होगी। (जासं)

लवि विद्यार्थियों के लिए टीसीएस व एचसीएल टेक में नौकरी का मौका

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ने विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कालेजों के स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिष्ठित आइटी कंपनियों एचसीएल टेक व टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में नौकरी के लिए आवेदन का मौका है। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि एचसीएल टेक में बी.ए., बी.एससी., बीबीए, बीसीए, बी.काम के स्नातक छात्र-छात्राएं ग्रेजुएट ट्रेनी पद के लिए 2.4 लाख वार्षिक पैकेज पर आवेदन कर सकते हैं। चार मई लिंक https://freshers.hcltech.com/?utm_source=oncampus&utm_medium=MaduraiGT&utm_campaign=Massmail और https://forms.gle/bc71YZX2vKrUE9DcA पर पंजीकरण कर सकते हैं। दोनों लिंक पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की ओर से बीसीए, बी.एससी (कंप्यूटर साइंस, गणित, सांख्यिकी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स, साइबर सुरक्षा, बायोकेमिस्ट्री) और बी.वोक (सीएस/आईटी) पाठ्यक्रमों से 2024 एवं 2025 बैच के विद्यार्थियों के लिए टीसीएस बी.एससी इग्नाइट एवं स्मार्ट हायरिंग कार्यक्रम के अंतर्गत आवेदन मांगे गए हैं। पात्र छात्र-छात्राओं को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों (या समकक्ष सीजीपीए) के साथ 10वीं, 12वीं, डिप्लोमा (यदि लागू हो) और स्नातक होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 मई तक https://www.tcs.com/careers/india/tcs-bsc-ignite-smart-hiring-2024-2025 लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर अधिकतम 2.82 लाख वार्षिक तक का पैकेज मिलेगा।

लवि शोधार्थी ने खोजी नई जंपिंग स्पाइडर

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग की शोध छात्रा डा. कृतिका राव ने एक नई मकड़ी की खोज की है। भारतीय मकड़ी विज्ञान (अरैक्नोलाजी) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में उन्होंने महाराष्ट्र के सुंदर हिल स्टेशन चिखलदरा में हब्रोसेस्टम वंश की एक नई जंपिंग स्पाइडर (उछलने वाली मकड़ी) की खोज की। इस नई प्रजाति को हब्रोसेस्टम चिखलदरा का नाम दिया गया है, जो भारत की समृद्ध जैव विविधता में एक और महत्वपूर्ण जोड़ है और मकड़ियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देता है।

यह मकड़ी पहली बार चिखलदरा की ईंटों की दीवारों पर पाई गई, जहां से इसकी मादा मकड़ी को डा. अतुल बोडखे ने संग्रह किया। यह खोज 'सरकेट : द अरैक्नोलाजिकल बुलेटिन आफ द मिडिल नार्थ अफरीका' (खंड 20, अंक चार) में प्रकाशित हुई है। इस शोधपत्र की लेखिका कृतिका राव हैं, जो जंतु विज्ञान विभाग की शोध छात्रा हैं। वे प्रो.अमिता कन्नौजिया और डा. अतुल बोडखे के मार्गदर्शन में कार्य कर रही हैं। इस प्रजाति की पहचान और विवरण डा. बोडखे की स्पाइडर रिसर्च लैब, जेडी पाटिल सांगलुडकर महाविद्यालय, दर्यापुर (जिला अमरावती, महाराष्ट्र) में की गई। यह नई प्रजाति अपने निकटवर्ती प्रजातियों से आकारिकी (मारफोलाजिकल) रूप से अलग है और चिखलदरा के पथरीले सुराखों और जमीन के पास के इलाकों में निवास करती है।

डा. कृतिका राव, शोधार्थी • लवि

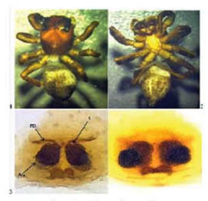

महाराष्ट्र के सुंदर हिल स्टेशन चिखलदरा में हुई हब्रोसेस्टम वंश की एक नई जंपिंग स्पाइडर की खोज • सौजन्य से लवि

जंपिंग स्पाइडर की ये 10वीं प्रजाति : जम्पिंग स्पाइडर्स अपनी तेज दृष्टि और फुर्तीले एक्शन के लिए जानी जाती हैं। भारत में अब तक हब्रोसेस्टम वंश की नौ प्रजातियां ज्ञात थीं, जिनमें एच. चिखलदरेंसिस महाराष्ट्र से दर्ज की गई पहली प्रजाति है।

AMRIT VICHAR PAGE 8

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लविवि में होगा योग उत्सव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन को मंत्रालय से मिली हरी झंडी

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के योग और अल्टनेटिव मेडिसिन विभाग योग उत्सव का आयोजन करेगा। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के अधीन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने विश्वविद्यालय को योग उत्सव आयोजित करने की अनुमति दी है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के क्रम में 29 मई को योग उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संकाय के कोआर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के क्रीड़ा स्थल पर होगा। कार्यक्रम के दौरान सुबह 6.30 बजे योग प्रोटोकॉल का अभ्यास योग विशेषज्ञों के द्वारा कराया जाएगा।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान राज्य के योग विशेषज्ञों द्वारा योग एवं स्वास्थ्य, योग एवं विश्व शांति, योग एवं चरित्र निर्माण इत्यादि विषयों पर व्याख्यान होगा। इसी दिन उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, मोटापा, तनाव, अनिद्रा, जोड़ों के दर्द इत्यादि आधुनिक जीवन शैली जनित रोगों के उपचार एवं प्रबंधन हेतु निशुल्क योग शिविर का भी आयोजन होगा।

मकड़ियां होती हैं कीट नियंत्रक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- महाराष्ट्र में नई मकड़ी की खोज पर लविवि की शोध छात्रा का योगदान

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की प्राणि शास्त्र विभाग की शोध छात्रा ने मकड़ियों की नई प्रजाति को तलाश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसे भारतीय मकड़ी विज्ञान (अरैक्नोलॉजी) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। महाराष्ट्र के सुंदर हिल स्टेशन चिखलदरा में हाब्रोसेस्टम वंश की एक नई जम्पिंग स्पाइडर (उछलने वाली मकड़ी) की खोज हुई है। इस नई प्रजाति को हाब्रोसेस्टम चिकलोन नाम दिया गया है, जो देश की समृद्ध जैव विविधता में एक और महत्वपूर्ण जोड़ है।

यह मकड़ी पहली बार चिखलदरा की ईंटों की दीवारों पर पाई गई, जहां से इसकी मादा को डॉ. अतुल बोडखे ने संग्रह किया। यह खोज सर्केट द आर्कियोलाजिकल बुलेटिन आफ द मिडिल ईस्ट एंड नार्थ अफ्रीका खंड 20 और अंक 4 में प्रकाशित किया गया है। इस शोधपत्र की लेखिका कृतिका राव हैं, जो लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग की शोध छात्रा हैं। वह डॉ. अमिता कन्नौजिया और डॉ. अतुल बोडखे के मार्गदर्शन में कार्य कर रही हैं। शोध के अनुसार यह नई प्रजाति अपने निकटवर्ती प्रजातियों से आकारिकी रूप से अलग है और चिखलदरा के पथरीले सुराखों और ज़मीन के पास के इलाकों में निवास करती है।

जम्पिंग स्पाइडर्स अपनी तेज दृष्टि और फुर्तीली गतिविधि के लिए जानी जाती हैं। भारत में अब तक इस वंश की 10 प्रजातियां ज्ञात थीं। जिनमें से एच चिखालडारनेसिस महाराष्ट्र से दर्ज की गई पहली प्रजाति है। शोधकर्ताओं ने इस प्रजाति को उसकी विशिष्ट रंगत और मादा जननांगों की संरचना के आधार पर पहचाना है। कृतिका बताती है कि मकड़ियां पारिस्थितिक तंत्र की सेहत की अहम सूचक होती हैं और कीट नियंत्रण में भूमिका निभाती हैं।

पढ़ाई से अधिक मनोरंजन का साधन बन गया एआई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एआई के कारण लोगों में घट रहा है आपसी संवाद
- स्मार्ट फोन यूजर अनजाने में हैं एआई की गिरफ्त में

अमृत विचार: तकनीकी का प्रयोग और दुरुपयोग साथ-साथ चलता रहा है। नई तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) भी ज्ञान की खोज से अधिक मनोरंजन का साधन बन गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए शोध में खुलासा हुआ है कि लगभग सभी वर्ग के लोग एआई का प्रयोग जाने-अनजाने का कर रहे हैं लेकिन यह मनोरंजन के लिए अधिक किया जा रहा है। पढ़ाई और कॅरियर संवारने में इसका प्रयोग जितना होना चाहिए वैसा नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा इसके कारण लोगों में आपसी संवाद भी कम होता जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शोध में एआई के प्रयोग को लेकर सरकारी, गैरसरकारी शिक्षण संस्थाओं, वर्क फ्राम होम करने वाले, सरकारी नौकरी और प्राईवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों पर शोध किया गया। इस शोध में महिलाओं को भी विशेष रुप से शामिल किया गया। मध्यम व निम्न आयवर्ग में 15 से 30 वर्ष की आयु के लोगों को शामिल किया गया, जिनकी वार्षिक आय एक से 15 लाख रुपये है। लखनऊ में 21.3 फीसद युवा एआई आधारित शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विज्ञान की अपेक्षा कला वर्ग के छात्रों में एआई सिर्फ मनोरंजन तक सीमित है। सरकारी या गैरसरकारी संस्थाओं में केवल कारपोरेट सेक्टर में ही एआई का इस्तेमाल हो रहा है। लखनऊ में स्मार्ट फोन प्रयोग करने वालों की संख्या करीब 70 प्रतिशत है जो जाने या अनजाने एआई का प्रयोग मनोरंजन के लिए करते हैं।

प्रयागराज महाकुंभ के दौरान स्नानार्थियों की सुविधा के लिए सरकार की तरफ से एआई आधारित चैटबॉट ऐप लांच किया गया। जिसने स्नानार्थियों को महाकुंभ विषय प्रत्येक जिज्ञासा का समाधान किया। यातायात व्यवस्था से लेकर स्नान घाट, स्नान पर्व, साधु-संत, अखाड़ों की पूरी जानकारी और मेला प्रशासन की भी जानकारी इसमें एआई का प्रयोग करके दिया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय, एकेटीयू, एमिटी, केजीएम, राजकीय ब्वॉयज और गर्ल्स कालेज, बीबीडी, एसआरएम, बीएनसीईटी व एचसीएल सहित अन्य स्टार्टअप कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों से बात की गई।

सीबीएसई के 53 प्रतिशत, आईएससी के 25 प्रतिशत, आईसीएसई के 14 प्रतिशत और यूपी बोर्ड के 29 प्रतिशत बच्चे एआई से अवगत हैं। 62.6 फीसद लोगों का मानना था कि एआई की विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए सरकार को कानून बनाना चाहिए। 29.1 प्रतिशत लोगों का कहना है कि एआई से भी गलतियां हो सकती हैं।

नई तकनीक आने पर लोगों की उत्सुकता बढ़नी स्वाभाविक है। एआई को लेकर शहरों और खासकर पढ़े लिखे लोगों में जागरुकता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रयोग मनोरंजन के लिए किया जा रहा है। जैसे-जैसे इसकी उपयोगिता समझ में आएगी, सकारात्मक प्रयोग बढ़ता जाएगा।

-प्रो. डीआर साहू, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

योग उत्सव के लिए कार्यक्रम करेगा लविवि

लखनऊ। लविवि के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय संस्थान आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के आयोजन के लिए 29 मई को योग उत्सव कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अधिकृत किया है। संकाय के कोआर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के क्रीड़ा स्थल पर होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रातः 6:30 बजे कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास योग विशेषज्ञों के द्वारा कराया जाएगा। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान राज्य के योग विशेषज्ञों द्वारा योग एवं स्वास्थ्य, योग एवं विश्व शांति, योग एवं चरित्र निर्माण इत्